एक नजर में

पर्यावरण पर विशेष संगोष्ठी प्रशिक्षण कार्यशाला आज

भोपाल. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव लोक निर्माण विभाग के ध्येय लोक निर्माण से लोक कल्याण को साकार करने की दिशा में 11 अगस्त को भोपाल स्थित रवींद्र भवन में 'पर्यावरण से समन्वय' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी-सह प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ करेंगे. कार्यशाला में अखिल भारतीय संयोजक पर्यावरण संरक्षण गतिविधि गोपाल आर्य, लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह और भास्कराचार्य संस्थान के महानिदेशक टीपी सिंह सहित अनेक विशिष्ट अतिथि शामिल होंगे. कार्यशाला में उद्घाटन-सत्र, मुख्य अतिथियों के संबोधन, तकनीकी सत्र और विशेष प्रशिक्षण सत्र का आयोजन होगा.

पति-पत्नी को सोते समय सांप ने डसा, दोनों की मौत

पन्ना. पवई तहसील क्षेत्र के ग्राम कुंवरपुर गांव में रक्षाबंधन के दिन हुए दर्दनाक घटनाक्रम से गांव का माहौल गमगीन हो गया. पति पत्नी शुक्र शनि की रात घर मे सो रहे थे. उसी दौरान सांप ने पहले पति को डसा और बाद में पत्नी को. दोनों की इलाज के दौरान मौत हो गई. गत दिवस की रात को दुखिया रजक उम्र 55 वर्ष और उसकी पत्नी गुलाब बाई 45 वर्ष घर में सोये हुए थे. सांप ने पहले पति दुखिया रजक को गले में डसा. जब पति ने घबराहट में सांप को हटाने की कोशिश की और हांथ का झटका तो सांप उछलकर पास ही सो रही पत्नी गुलाब बाई की खाट पर जा गिरा. सांप ने गुलाब बाई को सिर पर डसा. इससे दोनों की हालत नाजुक हो गई.

तेंदुए ने घर में घुसकर दो गायों का किया शिकार

पन्ना. पन्ना टाइगर रिजर्व में बढ़ते तेंदुआ एवं शेरों की संख्या के कारण आसपास निवासरत गांव के किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. हिनौता एनएमडीसी मझगुवा निवासी महादेव सिंह यादव ने जानकारी देते हुए बतलाया कि विगत दिवस की रात्रि को लगभग 3 बजे एक तेंदुआ मकान के अंदर प्रवेश कर गया और घर के अंदर वाड़ा में बंधी दो नग गाय का शिकार कर मार डाला है. किसान ने बताया कि इस संबंध में घटना की जानकारी वन विभाग के कर्मचारियों को दे दी गई है. किसान ने मुआवजे की मांग की है.

बुंदेलखंड के पर्यटन को मिलेगी वैश्विक पहचान

मंत्री राजपूत बोले-मुख्यमंत्री के धरातल पर दिखने लगे प्रयास

भोपाल, 10 अगस्त. खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दूरदर्शी सोच और नवाचारी दृष्टिकोण की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में मध्यप्रदेश पर्यटन के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान स्थापित करने की ओर अग्रसर है.

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव की पहल से अगले कुछ महीनों में ग्वालियर, इंदौर और भोपाल में होने वाले तीन बड़े आयोजनों से पर्यटन और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में निवेश की नई संभावनाएं सृजित होंगी, जो विशेष रूप से सागर संभाग और बुंदेलखंड के विकास में मील का पत्थर साबित होगी. मंत्री राजपूत ने बताया कि 29-30 अगस्त को ग्वालियर में आयोजित होने वाले संभागीय टूरिज्म कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री टूरिज्म और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर के निवेशकों से वन-टू-वन चर्चा करेंगे. कॉन्क्लेव में ग्वालियर, चंबल और सागर संभाग में निवेश की संभावनाओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा. साथ ही, कला-संस्कृति से जुड़ी प्रदर्शनी और स्थानीय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स की भागीदारी इस आयोजन को और प्रभावी बनाएगी.

मंत्री राजपूत ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव का यह नवाचारी कदम मध्यप्रदेश को पर्यटन के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नक्शे पर एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करेगा. दिल्ली-झांसी-जयपुर के प्रसिद्ध गोल्डन ट्रायंगल को ग्वालियर, खजुराहो और सागर के पर्यटन स्थलों से जोड़ने की उनकी योजना न केवल पर्यटकों की संख्या में वृद्धि करेगी, बल्कि सागर संभाग और बुंदेलखंड की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर को वैश्विक मंच पर ले जाएगी. बुंदेलखंड के ओरछा में रामराजा सरकार का मंदिर, झांसी, दतिया, चंदेरी, मैहर, खजुराहो, पन्ना टाइगर रिजर्व, वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व, आबचंद गुफाएं और राहतगढ़ वॉटरफॉल जैसे विश्व प्रसिद्ध धार्मिक सांस्कृतिक और पर्यटन स्थल है.

> मंत्री राजपूत ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव की निवेशक-अनुकूल नीतियां और पर्यटन को बढ़ावा देने की उनकी प्रतिबद्धता मध्यप्रदेश की आर्थिक समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण साबित हो रही है. ग्वालियर में होने वाले इस कॉन्क्लेव के साथ इंदौर और भोपाल में प्रस्तावित आयोजनों से पर्यटन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित होगा, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा और हजारों युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे.

पटेल ने किया 37 .50 लाख के पंचायत भवन का भूमिपूजन

सागर, 10 अगस्त. केंद्रीय पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने जिला सागर के विकासखंड केसली क्षेत्र के ग्राम टड़ा में पंचायत भवन का भूमि पूजन किया.

इस दौरान समारोह में मंत्री ने कहा कि पंचायत भवन न केवल स्थानीय प्रशासन का केंद्र हैं, बल्कि ग्रामीण विकास, आत्मनिर्भरता और सामुदायिक सशक्तिकरण का आधार भी होते हैं. ग्राम टड़ा, जनपद पंचायत केसली, जिला सागर में बनने वाले इस पंचायत भवन का निर्माण लगभग 37.50 लाख से होगा. इसी निर्मित होने वाले 'ग्राम पंचायत भवन' का शिलान्यास और भूमि पूजन मंत्री पटेल ने किया है. कार्यक्रम में विधायक बृज बिहारी पटेरिया, जिला पंचायत उपाध्यक्ष देवेंद्र ठाकुर, जनपद अध्यक्ष देवी बाई सरवन लोधी, जिला पंचायत सदस्य सर्वजीत सिंह, उमेश श्रीवास्तव सहित अन्य जनप्रतिनिधि, ग्रामवासी और प्रशासनिक अधिकारी-कर्मचारी भी मौजूद थे.

मंत्री धर्मेंद्र, कलेक्टर ने रोपे कदम के पौधे

कलेक्टर कोचर ने पर्यावरण सुरक्षा की अपील की

नवभारत, न्यूज

दमोह, 10 अगस्त. प्रसिद्ध हिंदूतीर्थ तीर्थ बांदकपुर के धार्मिक प्राकृतिक रमणीय स्थल गोवर्धन पर्वत के पास सरोवर सड़क किनारे शिवभक्तों के आव्हान प्रयास से पौधारोपण का कार्य किया जा रहा है.

शिवभक्त शंकर गौतम ने बताया कि पिछले कई वर्षों से गोवर्धन पर्वत व आसपास पौधारोपण किया जा रहा है. कलेक्टर कोचर ने बांदकपुर धाम में सभी को एक पेड़ लगाकर धाम में पर्यावरण संरक्षण सुरक्षा की अपील की है.

> संस्कृति पर्यटन मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी और दमोह कलेक्टर सुधीर कोचर ने एक-एक कदम का पौधा लगाया और संदेश दिया कि बांदकपुर धाम में विशाल कॉरिडोर निर्माण में सरकार ने कदम बढ़ाया है. धाम में विकास कार्यों को किया जाएगा. जिसमें प्राकृतिक स्थल गोवर्धन पर्वत को भी जोड़ा जाएगा. सतीश तिवारी, कृष्णा यादव, रामकृपाल पाठक, चटन पटेल, कृष्णा पटेल, अरविंद, ऋषि सिंह, गुड्डा रैकवार, गणपत अहिरवाल, रविन्द्र, निशांत, नरेंद्र, चौकी प्रभारी राजेंद्र मिश्रा, सचिव हरिशंकर पटेल मौजूद थे.

निवेश नीतियों से मप्र के निर्यात में 6% की वृद्धि

अब तक का सबसे ज्यादा 66,218 करोड रुपए का हुआ निर्यात

भोपाल, 10 अगस्त. मध्यप्रदेश ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में निर्यात में अपनी रैंकिंग में सुधार करते हुए अब तक का सबसे ज्यादा 66,218 करोड रुपए का निर्यात किया है. निर्यात में 6प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है जो फार्मास्यूटिकल, इंजीनियरिंग गुड्स और सोया उत्पादों में निर्यात बढ़ने के फलस्वरूप हुई है.

फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन की ताजा रिपोर्ट के अनुसार मर्केंडाइज एक्सपोर्ट में 66,218 करोड रुपए का योगदान है जबकि स्पेशल इकोनामिक जोन में सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों ने राज्य के एक्सपोर्ट पोर्टफोलियो में 4038 करोड रुपए का योगदान दिया है. इन क्षेत्रों में आर्थिक विकास बढ़ने के कारण राष्ट्रीय स्तर पर निर्यात में मध्यप्रदेश की रैंकिंग 15 से 11 हो गई है. फार्मास्यूटिकल, इंजीनियरिंग गुड्स और सोया आधारित कृषि उत्पाद मिलाकर मध्यप्रदेश ने विश्व बाजार के प्रतिमानों के अनुसार निर्यात रैंकिंग में बढ़ोतरी की है. निवेश मित्र औद्योगिक विकास की नीतियां, औदयोगीकरण का बढ़ता आधार मध्यप्रदेश का निर्यात बढ़ने के प्रमुख कारण है.

> मध्यप्रदेश से वर्ष 2024-25 में 11,968 करोड रुपए के फार्मास्यूटिकल्स, 6062 रुपए के एनिमल फीड, 4795 करोड रुपए के एल्युमिनियम, 4656 रुपए का निर्यात और 5497 रुपए की मशीनरी का निर्यात हुआ. पिछले 6 वर्षों से मध्यप्रदेश का निर्यात लगातार बढ़ रहा है. वर्ष 2019-20 में 37,692 करोड रुपए, 2020-21 में 47,959 करोड रुपए, 2021-22 में 58,407 करोड रुपए, 2022-23 में 65,878 करोड रुपए, 2023-24 में 65,255 करोड़ रुपए और 2024-25 में 66,218 करोड रुपए का निर्यात मध्यप्रदेश से हुआ. इसमें स्पेशल इकोनामिक जोन से हुए निर्यात के आंकड़े भी शामिल है.

इसके अलावा निर्यात को प्रोत्साहित करने वाली अधोसंरचना में बढ़ोतरी होना और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों का मध्यप्रदेश की ओर आकर्षित होने को भी प्रमुख है. पिछले साल तक फार्मास्यूटिकल, एनिमल फीड, मशीनरी, एल्युमिनियम और टेक्सटाइल पांच ऐसे निर्यात सेक्टर थे जो प्रथम पांच निर्यातकों में शामिल थे. मुख्य रूप से बांग्लादेश, फ्रांस, यूएई और नीदरलैंड में मध्यप्रदेश को निर्यात का बड़ा मार्केट मिला है.

स्टेशनों, डिपो, कार्यालयों और कॉलोनियों में श्रमदान

मंडल रेल प्रबंधक त्यागी के मार्गदर्शन में स्वच्छता जागरुकता कार्यक्रम

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 10 अगस्त. स्वतंत्रता दिवस महोत्सव, स्वच्छता अभियान के तहत पमरे भोपाल मंडल में स्वच्छता के कार्य किए जा रहे हैं. 15 अगस्त तक स्वच्छता से संबंधित विविध गतिविधियाँ निरंतर चल रही हैं.

यह अभियान मंडल रेल प्रबंधक पंकज त्यागी के मार्गदर्शन में पूरे मंडल में जोश और सहभागिता के साथ संपन्न हो रहा है. इस अभियान के दौरान भोपाल मंडल के प्रमुख स्टेशनों — इटारसी, नर्मदापुरम, रानी कमलापति, भोपाल, साँची, विदिशा, बीना, रुठियाई, गुना, अशोकनगर, हरदा सहित अन्य स्टेशनों पर सफाई अभियान के तहत प्लेटफॉर्म, वेटिंग हॉल, टॉयलेट्स, जल स्रोतों और पटरियों की विशेष सफाई की जा रही है.

कार्यस्थलों को स्वच्छ बनाने पर जोर

रेलवे कॉलोनियों में निवासियों के सहयोग से सामूहिक श्रमदान एवं ठोस कचरा प्रबंधन पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं. कार्यालय परिसरों में स्वच्छता निरीक्षण कर कार्यस्थलों को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाए रखने के प्रयास जारी हैं. यात्रियों में जागरूकता लाने हेतु स्टेशनों पर बैनर, पोस्टर एवं उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से स्वच्छता संदेश प्रसारित किए जा रहे हैं. कई स्टेशनों पर नुक्कड़ नाटक, रैलियां और 'स्वच्छ स्टेशन प्रतियोगिता' जैसी रचनात्मक गतिविधियाँ भी आयोजित की जा रही हैं. जल स्रोतों की सफाई और स्वच्छ पेयजल उपलब्धता पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है.

शुक्ल ने किया एनसीडी क्लीनिक का शुभारंभ

भोपाल, 10 अगस्त. उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने रविवार की शाम जयारोग्य चिकित्सालय समूह के हज़ार बिस्तर अस्पताल में नॉन-कम्युनिकेबल डिज़ीज़ क्लीनिक का शुभारंभ किया.

उन्होंने कहा कि एनसीडी क्लीनिक गंभीर बीमारियों का समय रहते पता लगाने और उनका इलाज शुरू करने में सहायक होगा. उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि बदलती जीवनशैली, खान-पान की गलत आदतें, तनाव और शारीरिक श्रम की कमी के कारण हृदय रोग, मधुमेह, कैंसर, उच्च रक्तचाप और थायरॉइड जैसी एनसीडी बीमारियों के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं. अक्सर इन बीमारियों का देर से पता चलने पर ये जानलेवा साबित होती हैं.

> गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. धाकड़ ने बताया कि यह क्लीनिक कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के अधीन संचालित होगा. इसका उद्देश्य प्रदेश में बढ़ते एनसीडी मामलों पर नियंत्रण करना है. यहां मरीजों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, परामर्श और आवश्यकता नुसार उपचार उपलब्ध कराया जाएगा. एनसीडी क्लीनिक को भविष्य में टेलीमेडिसिन और डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड की सुविधा से भी जोड़ा जाएगा.

प्रदेश के कई जिलों में बारिश का अलर्ट

40 प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 10 अगस्त. मौसम विभाग ने मप्र में बारिश का दौर जारी रहने का पूर्वानुमान लगाया है. सोमवार को भी कई जिलों में बारिश के आसार को लेकर अलर्ट जारी किया गया है.

अलीराजपुर, धार, बैतूल, बालाघाट, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, पाढ़र्णा नर्मदापुरम सहित जिलों में बारिश हो सकता है. जिलों में मूसलाधार बारिश को देखते हुए मौसम विभाग ने आरेंज अलर्ट जारी किया है. इस दौरान

30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी. इसके साथ ही ग्वालियर, दतिया, भिंड़, मुरैना, गुना, श्योरपुरकलां, शाजापुर, छतरपुर, शिवपुरी, अशोकनगर, विदिशा, राजगढ़, टीकमगढ़ सहित जिलों में भी गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है. प्रदेश में फिलहाल बारिश का दौर जारी रहने की की संभावना मौसम विभाग ने जताई गई है.

> वर्तमान में मानसून ट्रफ़, माध्य समुद्र तल पर भटिंडा, रोहतक, दिल्ली (रिज), हरदोई, बाराबंकी, देहरी, बांकुरा, कोंटाई और फिर पूर्व-दक्षिण-पूर्व दिशा में उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी तक विस्तृत है. 13 अगस्त के आसपास बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिम और संलग्न पश्चिम-मध्य में एक निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है. एक ट्रफ़, पश्चिम उत्तर प्रदेश के ऊपरी हवा के चक्रवातीय परिसंचरण से पूर्वी उत्तर प्रदेश के मध्य भागों से होते हुए झारखंड तक माध्य समुद्र तल से 1.5 किमी की ऊंचाई पर विस्तृत है.

जनता के सामने वास्तविकता लाएगी कांग्रेसी

कांग्रेस करेगी 13 को कथित चुनाव-चोरी का खुलासा

भोपाल,10 अगस्त. मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने दावा किया है कि वह 2023 के विधानसभा चुनाव में हुई कथित चुनाव-चोरी का बड़ा खुलासा करेगी. पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (ट्विटर) पर पोस्ट कर बताया कि बुधवार, 13 अगस्त को इसका विस्तृत खुलासा किया जाएगा.

पोस्ट में प्रदेशवासियों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अपील की गई है कि वे लोकतंत्र और संविधान को कमजोर करने वाली ताकतों की साजिशों को समझें और उन्हें बेनकाब करने के अभियान में साथ दें. संदेश में लिखा है लोकतंत्र/संविधान को खत्म करने की खुली दुर्भावना रखने वालों की साजिशों को बेनकाब करना अब जरूरी हो गया है!

कांग्रेस का आरोप है कि विधानसभा चुनाव-2023 में सत्ता पक्ष ने विभिन्न तरीकों से चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित किया, जिससे जनता का जनादेश बदला गया. पार्टी ने इस खुलासे को लेकर राजनीतिक हलकों में उत्सुकता और हलचल पैदा कर दी है. सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस इस दिन दस्तावेज़, तकनीकी डाटा और गवाहों के साथ तथ्यों को सार्वजनिक करने की तैयारी में है. पार्टी का मानना है कि इससे चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े होंगे और जनता के सामने वास्तविक स्थिति आएगी. राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि 13 अगस्त का दिन प्रदेश की राजनीति में नया मोड़ ला सकता है, क्योंकि यदि कांग्रेस के आरोपों को समर्थन देने वाले सबूत सामने आते हैं, तो यह सत्ता पक्ष के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकता है. वहीं, भाजपा ने कांग्रेस के आरोपों को पहले ही बेबुनियाद बताते हुए कहा है कि यह राजनीतिक स्टंट है. यह जानकारी भ्रम पैदा कर रही है.

रेलवे ने लागू की राउंड ट्रिप पैकेज स्कीम

भोपाल, 10 अगस्त. रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए राउंड ट्रिप स्कीम शुरू की है. त्यौहारी सीजन में भीड़ से बचने व ट्रेनों का अधिकतम उपयोग करने के साथ-साथ परेशानी मुक्त टिकट सुविधा के लिए प्रयोगिक यह स्कीम शुरू की है.

नाम परिवर्तन सूचना

मै द्योषणा करती हूँ कि पूर्व मे मेरा नाम जो शैक्षणिक दस्तावेज मे RACHNA JAIN था। जिसे मै शादी के बाद मै अपना नया नाम RACHANA JAIN कर ली हूं कृपया अब से मुझे नये नाम RACHANA JAIN W/O ANKIT KUMAR JAIN के नाम से जाना एवं पहचाना एवं संबोधित किया जाय एवं आगे के सभी दस्तावेजों में दर्ज किया जाय तथा मेरे निवास का पता - JAIN HOUSE GRAM POST SALEHA DISTT PANNA (M.P.) है।

आम सूचना

दिनांक 10 .08 .25

प्रति,

मीरा बाई द्विवेदी पत्नी राममित्र द्विवेदी ग्राम गोरइया खुर्द पो0 गोरइया तह0 कोटर जिला सतना म0प्र0

मेरे पक्षकार मुकेश कुमार मिश्रा पिता रामेश्वर प्रसाद मिश्रा एवं नोटिसी मीरादेवी के मध्य आराजी नं0 50 रकवा 1 .630है0 के अंश भाग 0 .815है0 मौजा सेमरी कुमिंहाई तह0 कोटर जिला सतना म0प्र0 के बावत विक्रय का सौदा दिनांक 04 .06 .25 को 17,50,000 रूपये प्रति एकड की दर से तय हुआ था और कुल प्रतिफल की राशि मुब0 35,00,000 रूपये निर्धारित की गई थी अनुबंध के पालन में मेरे पक्षकार ने 350,000 रूपये का चेक दिया था और उसी समय नोटिसी मीराबाई के द्वारा नगद रूपयों की माँग करने पर चेक वापस लेकर नगद राशि 35000 रूपये का भुगतान किया गया था। आपके द्वारा अनुबन्ध की निर्धारित समय सीमा 06 माह के अन्दर विक्रय पत्र का पंजीयन कराना तय हुआ था विक्रेता मीराबाई उक्त वर्णित आराजियात का सीमांकन कराकर मौके से कब्जा देकर तथा राजस्व रिकार्ड दुरूस्त कराकर निर्धारित अवधि के अन्दर विक्रय पत्र पंजीयन कराने की बात तय हुई थी। किन्तु विश्वस्त सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार नोटिसी/विक्रेता द्वारा उक्त अनुबंधित आराजी को किसी अन्य के पक्ष में विक्रय करने की फिराक में है। अतः हर आम व खास को इस सूचना / प्रकाशन के माध्यम से सूचित कि जाता है कि उक्त अनुबंधित आराजी रकबा को कोई क्रय विक्रय, गहन, दान वसीयत ना करे अन्यथा की दशा में होने वाली क्षति के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा।

भूपेन्द्र द्विवेदी, अधिवक्ता

कार्यालय/निवास-अरविन्द नगर सतना

उपलब्धि सहरिया, बैगा, भारिया परिवारों को मिल रहा योजनाओं का सीधा लाभ

जनमन योजना से जनजातीय बसाहटों में तेजी से विकास

भोपाल, 10 अगस्त. जनजातीय बसाहटों को आधारभूत सुविधाओं से संपन्न बनाने और जनजातीय परिवारों में खुशियां लाने मध्यप्रदेश ने पीएम जनमन योजना में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है.

प्रदेश में पीएम जनमन योजना में 5800 जनजातीय बसाहटों में रह रहे 2 लाख 62 हजार से ज्यादा सहरिया, बैगा और भारिया परिवारों को विभिन्न विभागों की योजनाओं का सीधा लाभ मिला है. आधार कार्ड, जनधन बैंक खाता, आयुष्मान भारत, जाति प्रमाण पत्र, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम किसान सम्मान निधि, राशन कार्ड देने में 100 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की है. वे हितग्राहीमूलक योजनाओं का लाभ लेने में इन दस्तावेज का उपयोग कर रहे हैं.

प्रधानमंत्री आवास, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, बहुउद्देशीय केंद्र, हर घर नल से जल, हर घर बिजली, सबको पोषण, सबको स्वास्थ्य, सबको शिक्षा, गांव-गांव मोबाइल नेटवर्क, वन धन विकास केंद्र बनाने जैसी परिवर्तनकारी योजनाओं को इन बसाहटों में क्रियान्वित किया जा रहा है. इसकी जिम्मेदारी योजनाओं से संबंधित विभागों को दी गई है. इन योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आई है. जनजातीय परिवारों को आवास सुविधा उपलब्ध कराने में शिवपुरी जिला न सिर्फ मध्यप्रदेश बल्कि पूरे देश में आगे है. यहां 16 हजार से ज्यादा आवास बन चुके हैं. शहडोल में 10711, श्योपुर 7639, उमरिया में 6410, छिंदवाड़ा में 5479 मंडला में 5446 आवास बने हैं. अन्य जिलों में विभिन्न स्तरों पर तेजी से काम चल रहा है.

मोबाइल सुविधाओं को सुदृढ़ बनाते हुए 15 जिला में उपयुक्त स्थान पर 4जी मोबाइल नेटवर्क दिया जा रहा है. टावर के लिये स्थान चिन्हित कर लिये गये हैं. इसके अलावा वन एवं तकनीकी शिक्षा विभागों द्वारा 11 जिलों में 83 वन-धन विकास केंद्र स्वीकृत किए गए हैं. इससे 5000 जनजातीय हितग्राही जुड़े हैं. सभी को उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम और उद्यमिता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत वन-विकास केंद्र का बिजनेस प्लान बनाने में प्रशिक्षण दिया गया है.

हर घर नल से जल : हर घर नल से जल पहुंचाने के लिए 4843 बसाहटों में रह रहे 12 लाख 30 हजार घरों में नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य है. अब तक 8,43,258 घरों में नल से जल पहुंच रहा है. शेष घरों में दिसंबर माह तक पहुंच जाएगा.

सबको स्वास्थ्य : सबको स्वास्थ्य सुविधाएं देने के उद्देश्य से 3132 गांवों में स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गई हैं और 1268 में मोबाइल मेडिकल यूनिट संचालित हैं. इस प्रकार 4400 गांवों में स्वास्थ्य सेवाएं पहुंच गई हैं. मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से अब तक 4 लाख से अधिक रोगियों का परीक्षण किया गया है.

> सड़क सुविधा : प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में 1570 बसाहटों में 2265 किमी सड़कें बनाने का लक्ष्य है. राष्ट्रीय ग्रामीण अधोसंरचना विकास ऐजेंसी को 269 किमी की 117 सड़कें बनाने का प्रस्ताव भेजा गया है. हाल में 739 किमी लंबाई की 377 सड़कों की स्वीकृति मिल गई है. इनके निर्माण के लिये टेंडर की प्रक्रिया चल रही है. इसके अलावा 17 जिलों में 125 बहुउद्देशीय केंद्रों के निर्माण का काम चल रहा है. सबसे ज्यादा 33 शिवपुरी और 24 श्योपुर में बन रहे हैं.

भीषण सड़क हादसा, रक्षाबंधन मनाने जा रहे पिता-पुत्री की मौत

खरगोन, 10 अगस्त. मध्यप्रदेश के खरगोन जिले के कसरावद थाना क्षेत्र में भीलगांव के पास शनिवार रात हुए सड़क हादसे में पिता और पांच वर्षीय बेटी की मौत हो गई जबकि पत्नी और एक अन्य बालक घायल हो गए.

- हादसे में पिता और पांच वर्षीय बेटी की मौत हो गई
- हादसा कसरावद थाना क्षेत्र में भीलगांव के पास हुआ

पुलिस के अनुसार इंदौर के छोटी खजरानी नया बसेरा निवासी 29 वर्षीय रवि बड़ोदिया, पत्नी मीनू (24), बेटी भूमिका (5) और भांजा कान्हा मोहते (12) बीकानेर, राजस्थान निवासी रक्षाबंधन पर्व मनाने असनगांव (थाना मेनगांव) अपने रिश्तेदारों के यहां जा रहे थे. बीलगांव के पास पुलिया और मोड़ पर उनका दुपहिया वाहन असंतुलित होकर पलट गया. हादसे में रवि और भूमिका की मौके पर ही मौत हो गई. मीनू और कान्हा को कसरावद अस्पताल से जिला अस्पताल खरगोन रेफर किया गया है. जहां डॉक्टरों की देखभाल में घायलों का उपचार किया जा रहा है.